जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 27 संख्याः 322 प्रभात अजमेर, शुक्रवार 23 जून, 2023 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

*ऑस्ट्रेलिया में एक अनोखा एल्बीनो एकिड्ना देखा गया है। सेही जैसा दिखने वाला यह स्तनपायी जीव सिडनी से 120 मील दूर नॉर्थ वैस्ट में बैथर्स्ट शहर में नज़र आया है। बैथर्स्ट रीजनल काउन्सिल के एक सदस्य ने इस दुर्लभ जीव को मई में देखा था, उसने ही इसे रैफी नाम दिया। बैथर्स्ट रीजनल काउन्सिल के एक प्रतिनिधि ने बताया कि, ''शॉर्ट बीक्ड एकिड्ना काफी शर्मीले होते हैं और एकान्त में रहते हैं। लेकिन एल्बीनो शॉर्ट बीक्ड एकिड्ना से सामना होना बेहद दुर्लभ घटना है।'' रैफी एल्बीनिज़्म से पीड़ित है। यह एक आनुवंशिक विकार है, जिसमें त्वचा, बाल व आंखों में मैलनिन पिगमैंट कम बनता है। स्थानीय वाइल्डलाइफ संरक्षण संगठन ''वायर्स'' के एक प्रवक्ता, जॉन ग्रांट ने बताया कि, वह गत दस साल से पुनर्वास केन्द्र में काम कर रहा है और उसने अब तक मात्र तीन या चार एल्बीनो एकिड्ना देखे हैं। चूँकि रैफी जंगल से आया है, इसलिए इसे लोगों से दूर रखा जा रहा है, क्योंकि इंसानों की सक्रियता से एकिड्ना तनाव ग्रस्त हो सकते हैं और स्ट्रैस के कारण, सूंघकर एक स्थान से दूसरे स्थान जाने की इनकी क्षमता बाधित हो सकती है। इस क्षमता का इस्तेमाल ये जीव महत्वपूर्ण लोकेशन ढूंढने के लिए करते हैं, जैसे प्रजनन के लिए बिल आदि। एकिड्ना की नज़र भी कमजोर होती है। परभक्षियों से बचने के लिए ये पूरी तरह से, कान से सुने संकेतों और गंध पर निर्भर करते हैं। एकिड्ना में सुरक्षा का एक अनोखा तंत्र है। परभक्षी, जैसे लोमड़ी, कुत्ता, बिल्ली या डिंगो, के आने पर ये, सेही की तरह गोलमटोल होकर कांटेदार गेंद का रुप ले लेते हैं, ऐसी अवस्था में इन पर हमला करना बेहद दर्दनाक हो सकता है। खतरे की अन्य स्थिति में ये अपने तीखे पंजों से जमीन खोदकर अंदर घुस जाते हैं और अपनी खाल बाहर छोड़ देते हैं और प्राकृतिक शिकारियों से बच जाते हैं। लेकिन अब इन्हें वाहनों से टक्कर, आवास विनाश व अंधाधुंध शिकार से खतरा है। अपने प्राकृतिक आवास के लिए ये जीव बेहद महत्वपूर्ण हैं। जब ये कीड़े खाने के लिए जमीन खोदते हैं तो मिट्टी के ऑर्गैनिक पदार्थों को ऊपर -नीचे कर देते हैं, जिससे जमीन के अंदर पानी जाने में मदद मिलती है।*

# सचिन पायलट की दिल्ली में लम्बी व विस्तार से बातचीत हुई वेणुगोपाल से

## जानकार सूत्रों का मानना है, यह बातचीत उस बैठक के संदर्भ में है, जो राहुल की विदेश यात्रा पर रवाना होने से पूर्व खड़गे के निवास पर हुई थी

- **वेणु गोपाल ने खड़गे के निवास पर पायलट व गहलोत का हाथ पकड़ कर ऊँचा किया था तथा प्रेस के सामने घोषणा की थी कि, दोनों नेताओं, पायलट व गहलोत, में समझौता हो गया है और दोनों मिलकर काम करेंगे और पार्टी को विजयी बनायेंगे राजस्थान में। पर, समझौते का कोई रोड मैप तैयार नहीं हुआ था।**
- **गुरूवार को वेणुगोपाल व सचिन की मुलाकात इस रोड मैप को परिभाषित करने के दिशा में एक कदम है।**
- **राहुल गुरूवार को देर रात को विदेश यात्रा से लौटकर अगले दिन विपक्ष के नेताओं के समागम में भाग लेने पटना चले जायेंगे, खड़गे के साथ।**
- **पटना से लौटकर हाई कमान की पहली प्राथमिकता राजस्थान में पार्टी की राजनीतिक समस्या को सुलझाना है। पर, पायलट अपनी मांगों से पीछे हटने के लिये तैयार नहीं तथा मु.मंत्री शर्तों को पूरा करने की स्थिति में नहीं, तो क्या समाधान होगा?**

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जून। सचिन पायलट की कांग्रेस के महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल के साथ लम्बी और विस्तृत बैठक हुई, क्योंकि पार्टी राजस्थान में परस्पर विरोधी नेताओं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच एक संभावित पुनर्मेल के रोड मैप पर काम कर रही है।

सूत्रों का कहना है कि दोनों नेताओं के बीच की यह मुलाकात पूर्व में पायलट की राहुल गांधी और खड़गे से हुई मीटिंग का फॉलोअप है। उक्त बैठक में वेणुगोपाल ने घोषणा की थी कि राजस्थान में कांग्रेस को चुनाव जितवाने के लिए ये अशोक गहलोत व पायलट मिलकर काम करेंगे और सभी मसले सुलझा लिए जाएंगे।

उसी रात राहुल गांधी विदेश यात्रा पर रवाना हो गए थे। उनके आप देर रात स्वदेश लौटने की संभावना है।

पटना में कल विपक्षी दलों की बैठक हो रही है। इसके बाद राहुल गांधी व मल्लिकार्जुन खड़गे के अशोक गहलोत व सचिन पायलट से मिलने की संभावना है ताकि मौजूदा राजनैतिक गतिरोध का हल निकल सके।

वेणुगोपाल के साथ मुलाकात को वार्ता बहाल करने की और पार्टी नेताओं में एकजुटता सुनिश्चित करने की दिश में एक कदम माना जा रहा है ताकि नेता साथ मिलकर काम करें।

रोचक बात है कि सचिन पायलट अपनी तीनों मांगों से पीछे हटने को तैयार नहीं है और अशोक गहलोत इन मांगों को मानने की स्थिति में नहीं है क्योंकि वे वसुंधरा राजे से मिले हुए है जो उनकी ''बैस्ट फ्रैंड'' हैं। अब सवाल है कि क्या गहलोत अंतत वो करने पर सहमत होंगे, जो वे लम्बे समय से टालते आ रहे हैं।

# पटना सम्मेलन में एक प्रमुख मुद्दा, विपक्ष के नेताओं पर ई.डी., सी.बी.आई., इन्कम टैक्स की ''रेड'' भी होगा

## जैसा कि, 14 विपक्षी पार्टियों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है, 95 प्रतिशत रेड विपक्ष के नेताओं के घर व ठिकानों पर ही होती है

- **कांग्रेस, शिव सेना (उद्धव ठाकरे ग्रुप) शरद पवार की एन.सी.पी., आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, डी.एम.के., आर.जे.डी., सपा के प्रमुख नेता को सैन्ट्रल इन्टैलीजैंस एजेंसियों द्वारा अपने लपेटे में लिया जा चुका है। पर, यह मेहरबानी विपक्ष के नेताओं के प्रति ही क्यों?**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जून। विपक्षी दलों की 23 जून को पटना में होने वाली मीटिंग का एजेंडा काफी लम्बा है। कई मुद्दे है, जिनमें एक मुख्य मुद्दा है विपक्षी नेताओं पर केन्द्रीय एजेन्सियों ई.डी., सी.बी.आई. एवं आयकर विभाग आदि का कसता शिकंजा। विपक्षी दलों के कई प्रमुख नेता है जिन पर केन्द्रीय एजेंसियां कार्यवाही कर चुकी हैं।

बिहारी के मुख्यमंत्री 23 जून को पटना में लगभग 20 विपक्षी पार्टियों के नेताओं का स्वागत करेंगे। यह मीटिंग लोकसभा चुनाव को भाजपा और विपक्ष के बीच आमने-सामने का मुकाबला बना देगी।

14 विपक्षी दलों ने इस वर्ष मार्च में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी कि ई.डी., सी.बी.आई. और आई.टी. द्वारा दर्ज केसों में से लगभग 25 प्रतिशत विपक्षी नेताओं के खिलाफ हैं।

पटना मीटिंग में भाग लेते आ रहे अधिकांश नेताओं के खिलाफ जांच हो चुकी या उन पर रेड पड़ चुकी है। जिन प्रमुख नेताओं के खिलाफ एजेंसियां एक्शन ले चुकी है। उनके कांग्रेस के राहुल गांधी, सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे प्रमुख हैं। तीनों पर नैशनल हैरल्ड के मामले में ई.डी. ने शिकंजा कस रखा है। कांग्रेस के ही पी. चिदम्बरम व उनके पुत्र कार्ती चिदम्बरम के खिलाफ आई.एन.एक्स. मीडिया और एयरसेल मैक्सी केस में ई.डी. व सी.बी.आई. जांच कर रही है और वे जेल भी जा चुके हैं। उनके पुत्र कार्ती पर चीनी कामगारों को अवैध रूप से वीज़ा दिलवाने के और 50 लाख रूपए रिश्वत लेने का आरोप है।

शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट के संजय राउत व उनकी पत्नी मनी लॉण्डरिंग केस और मुम्बई के गोरेगांव की पात्रा चाल घोटाले में आरोपी हैं। राउत को ई.डी. ने गिरफ्तार किया था वे जमानत पर हैं। ठाकरे परिवार के करीबी व्यक्ति परा भी ई.डी. ने मनी लॉण्डरिंग केस में रेड की है। शिव सेना सरकार में मंत्री रहे अनिल परब पर भी ई.डी. मनी लॉण्डरिंग केस में रेड की है।

एन.सी.पी. नेता शरद पवार भी मनी लॉण्डरिंग केस में ई.डी. के रडार पर हैं, पर अभी तक उन्हें ई.डी. के समक्ष उपस्थित होने के लिए नहीं कहा गया है।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

# 31 जुलाई तक भरा जा सकेगा व्यक्तिगत आयकर रिटर्न

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जून। आयकर विभाग ने 2022-2023 के लिए विभिन्न श्रेणियों में करदाताओं द्वारा इन्कम टैक्स रिटर्न (आई.टी.आर.) फाइल करने की अंतिम तिथि की घोषणा कर दी है। विभाग ने आई.टी.आर. से संबंधित कुछ फार्म भी जारी किए हैं।

- **इनकम टैक्स विभाग ने कहा, जिनके एकाउन्ट्स की ऑडिट की जरूरत नहीं वे 31 जुलाई तक और जिनके एकाउन्ट्स की ऑडिट की जरूरत है वे 31 अक्टूबर तक आयकर रिटर्न भर सकेंगे।**

तीन लाख के ऊपर वार्षिक आय वालों को इन्कम टैक्स रिटर्न फाइल करना चाहिए। कॉरपोरेट कंपनियाँ भी समय से पहले फॉर्म-16 जारी कर रही हैं, ताकि उनके कर्मचारी समय पर आई.

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# आर.एस.एस./भाजपा का मुस्लिम वोटर को लुभाने का सुनियोजित प्लान

## संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हाल ही में एक किताब के विमोचन समारोह में देश के नागरिकों में ''भारतीयता'' की बात कही

- **भाजपा ने मुसलमानों में ''मोदी मित्र'' सर्टिफिकेट बांटे तथा मोदी मित्रों का एक राष्ट्रीय सम्मेलन दिल्ली में आयोजित करने के कार्यक्रम की घोषणा की। सम्मेलन को प्र.मंत्री मोदी भी संबोधित करेंगे।**
- **भाजपा ने पसमन्दा मुसलमानों को प्रोत्साहित करने के लिये यू.पी. के नगर पंचायत अध्यक्षों के चुनाव में 32 मिनट पसमन्दा मुसलमानों को दिये, जिसमें पांच उम्मीदवार जीते भी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि, यू.पी. के स्थानीय निकाय चुनाव में जिन मुसलमानों को भाजाप ने टिकट दिये, उनमें से नब्बे प्रतिशत पसमन्दा थे।**

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जून। 2024 के संसदीय चुनावों से पहले, मुस्लिमों तक पहुँचने की अपनी स्पष्ट योजना के अन्तर्गत, आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत ने भारतीय समाज -व्यवस्था में एकता की आवश्यकता बताई है। उन्होंने अंदरुनी दुश्मनी पैदा करके संकट पैदा करने का दोष ''राक्षसी तथा बाहरी ताकतों'' के सिर पर मढ़ दिया।

एक अनुमान के अनुसार, 10 राज्यों तथा एक केन्द्र शासित प्रदेश के कुल 6 लोकसभा क्षेत्रों में अल्पसंख्य मुस्लिमों की जनसंख्या लगभग 30 प्रतिशत है। जहाँ 2019 के लोकसभा चुनावों में साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण पर आधारित मतदान की स्थिति ने बहुसंख्यक हिन्दू वोटों को भाजपा के पक्ष में एकजुट कर देने में मदद की थी, वहीं अब भगवा खेमा साफतौर पर, अपने चुनावी आधार को बढ़ाने के लिये अपनी पूर्ववर्ती रणनीति में एकाएक बदलाव ला रहा है। भगवा खेमा खासतौर से दक्षिण भारत तथा पूर्वोत्तर के राज्यों में ऐसा करने जा रहा है।

धार्मिक स्थलों के स्वामित्व से सम्बंधित विवादों तथा नफरतजनित अपराधों की पृष्ठभूमि के विरुद्ध भागवत, इसके साथ ही, एक समावेशी एजेंडा की दिशा में काम कर रहे हैं तथा सभी समुदायों के लोगों की ''भारतीयता'' पर जोर दे रहे हैं तथा इसके लिये मदरसों में जाने तथा मुस्लिम बुद्धिजीवियों के साथ मीटिंग करने पर जोर दिया जा रहा है। भागवत ने मंगलवार को एक पुस्तक के विमोचन समारोह में कहा, ''कुछ देश

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# कोविड का एक घोटाला सामने आया महाराष्ट्र में

मुंबई 22 जून। एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) ने गुरुवार को कोविड जम्बो केंद्र घोटाला मामले में बयान दर्ज कराने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकार संजीव जायसवाल को बलार्ड एस्टेट कार्यालय में तलब किया। कोविड महामारी के दौरान

- **ई.डी. ने कोविडग्रस्त शवों रखने के लिए इस्तेमाल हुये बैग्स की खरीद-फरोख्त में हुये घोटाले के लिए वरिष्ठ आई.ए.एस अधिकारी संजीव जायसवाल को तलब किया।**

जायसवाल वृहंमुंबई नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त थे। इन्हीं के कार्यकाल के दौरान महा विकास अघाड़ी के शासनकाल में शिव सेना के नेताओं के करीबियों को उच्च दर पर ठेके दिए गए थे।

जायसवाल मौजूदा समय में महाराष्ट्र

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'क्या ज्यादा महत्वपूर्ण, दिल्ली के प्रशासनिक तंत्र पर नियंत्रण या भाजपा को हराना?'

## केजरीवाल ने विपक्ष के पटना समागम को बायकॉट करने की धमकी दी, अगर सम्मेलन से पहले कांग्रेस ने केन्द्रीय सरकार के अध्यादेश का संसद में विरोध करने का वचन नहीं दिया

- **केजरीवाल की धमकी से विपक्ष के सम्मेलन के प्रति जोश में कुछ कमी आयी।**
- **कांग्रेस संभवतया, वैसे ही अपने ''आइडियोलॉजिकल'' कारणों से (सैद्धांतिक सोच के कारण) विरोध करती संसद में। पर, कांग्रेस यह विरोध अपने सोच व समय के अनुसार करना चाहेगी, न कि, केजरीवाल के दबाव के कारण। और वैसे भी अभी संसद के मानसून सत्र की तो, तारीखें ही निश्चित नहीं हुई हैं।**
- **यू.पी. से सम्मेलन में भाग लेने वाली अब एक ही पार्टी बची है, क्योंकि मायावती को आमंत्रित नहीं किया गया और आर.एल.डी. के नेता जयंत पटना नहीं पहुंच रहे, क्योंकि, उनके घर के पारिवारिक आयोजन में उनकी उपस्थिति पूर्व निश्चित थी।**

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जून। दिल्ली के मुख्यमंत्री विपक्षी एकता को क्षति पहुंचाने वाले प्रमुख व्यक्ति की भूमिका के लिये पूरी तरह से तैयार है। आप ने आज ऐसे पर्याप्त संकेत दे दिये कि अगर कांग्रेस ने केन्द्र के अध्यादेश के खिलाफ आप का समर्थन करने का वादा नहीं किया तो वह (आप) पटना में शुक्रवार को होने वाली विपक्षी नेताओं की बैठक से वॉक-आउट कर जायेगी। ज्ञातव्य है कि सन्दर्भित अध्यादेश दिल्ली की प्रशासनिक सेवायें केन्द्र को नियंत्रण में रखे जाने के लिये लागू किया गया है।

आप की यह कार्यवाही भारत के बिखरे हुये विपक्ष की एकता के प्रयासों तथा 2024 के लोकसभा चुनाव से जुड़ी रणनीतियों की गाड़ी को पटरी से उतारने का खतरा पैदा कर सकती है।

बिहार के मुख्यमंत्री तथा जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख नीतीश कुमार ने विपक्षी दलों की यह मीटिंग 2024 के लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करने के लिये संयुक्त रणनीति की रूपरेखा बनाने के उद्देश्य से बुलाई है। आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविन्द केजरीवाल भी इस मीटिंग में उपस्थित होने वाले हैं।

केजरीवाल के एक नजदीकी सूत्र ने गुरूवार को कहा, ''अगर कांग्रेस अध्यादेश के खिलाफ (आप के) समर्थन का वादा नहीं करती है तो उनकी पार्टी मीटिंग से वाक आउट कर जायेंगे।''

अरविन्द केजरीवाल ने मंगलवार को यह आशा व्यक्त की थी कि कांग्रेस पटना में होने वाली गैर भाजपा दलों की मीटिंग में केन्द्र के उस अध्यादेश को लेकर अपना रूख स्पष्ट कर देगी, जो राष्ट्रीय राजधानी की प्रशासनिक सेवाओं को केन्द्र के नियंत्रण में रखने के लिये लाया गया है।

एक नेता ने कहा कि विपक्ष की एकता को लेकर केजरीवाल का सोच ''माइ वे और हाइवे'' जैसा है क्योंकि वे सोचते हैं कि अध्यादेश का मुद्दा भाजपा को हराने के लिये विपक्ष की एकता से बड़ा है।

एक नेता ने कहा कि एक तरफ तो केजरीवाल राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा और उत्तराखंड में कांग्रेस को कमजोर करना चाहते हैं तथा दूसरी तरफ वे यह अपेक्षा करते हैं कि देश की सबसे पुरानी पार्टी उनकी मांग के आगे घुटने टेक दे। उक्त नेता ने आगे

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# के.सी. वेणुगोपाल जयपुर में

जयपुर, 22 जून (का.प्र.)। कांग्रेस के संगठन महासचिव और राजस्थान से राज्यसभा के सदस्य के.सी. वेणुगोपाल गुरुवार देर शाम जयपुर पहुंचे। जयपुर एयरपोर्ट पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर

- **कांग्रेस के संगठन महासचिव व राजस्थान से राज्यसभा सदस्य वेणु गोपाल राज्य के पी.डब्ल्यु.डी. मंत्री भजनलाल जाटव की पुत्री की शादी में शामिल होने जयपुर आए हैं।**

सिंह रंधावा सहित अन्य नेताओं ने उनकी अगवानी की।

के.सी. वेणुगोपाल राज्य के पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (पी.डब्ल्यू.डी.) के मंत्री भजन लाल जाटव की पुत्री की शादी में शामिल होने और वर वधु को

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )